

Regarding need to renew the lease of plots and houses allotted to people in Delhi who came as refugees during partition in 1947- laid

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) :1947 में देश के विभाजन के समय हजारों शरणार्थी दिल्ली आए थे । इन शरणार्थियों को दिल्ली में कई स्थानों पर मकान और प्लॉट देकर बसाया गया था । जिन कॉलोनियों में इन्हें बसाया गया था, उनमें किंग्सवे कैंप (अब जीटीबी नगर) खान मार्केट, मालवीय नगर, निज़ामुद्दीन, लाजपत नगर, कालकाजी, जंगपुरा, राजेंद्र नगर, वेस्ट पटेल नगर और मोती नगर आदि शामिल हैं । सभी शरणार्थियों को प्लॉट और मकान लीज पर दिए गए थे लेकिन अब इन मकानों की लीज की अवधि खत्म हो चुकी है । लीज खत्म होने के कारण वे न तो मकान में कोई रेनोवेशन का काम करा सकते हैं, न उसकी मरम्मत करा सकते हैं, न अपने बच्चों में उसका बंटवारा कर सकते हैं और बेचने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता । इन प्लॉटों और मकानों की लीज की अवधि बढ़ाकर इन हजारों लोगों को तुरंत राहत दी जाए । इसके साथ ही मेरा यह भी अनुरोध है कि इन प्लॉटों और मकानों को फ्रीहोल्ड करने की प्रक्रिया भी तुरंत ही शुरू की जाए ताकि वे उस सम्पत्ति के मालिकाना अधिकार प्राप्त कर सकें जहां उनकी पीढ़ियां 77 सालों से रह रही हैं ।